वैश्विक विरोध: स्थानीय शिकायतों के पीछे आर्थिक असुरक्षा

समाचार-संदर्भ: 7 नवंबर 2026 | राय-आधारित विश्लेषण | विषय: सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन
प्रकाशन: 10 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-II/III: सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन और आर्थिक सिद्धांत



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

अमित जुल्का के एक राय-लेख ने विभिन्न देशों के विरोधों और राजनीतिक बदलावों को जीवन-यापन की लागत तथा रोजमर्रा की जरूरतों के बाजारीकरण से जोड़कर देखने का प्रस्ताव रखा। यह एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण है, हर आंदोलन का एक ही कारण सिद्ध करने वाला अध्ययन नहीं।

पोलान्यी का संदर्भ

लेख कार्ल पोलान्यी की पुस्तक 'The Great Transformation' का उल्लेख करता है। उसका मुख्य प्रश्न है कि जब बाजार-तंत्र को समाज और प्रकृति के भाग्य का अकेला नियामक मान लिया जाए, तो सामाजिक सुरक्षा और सामूहिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। आवास, काम और सार्वजनिक सेवाएँ केवल वस्तु नहीं, जीवन की आवश्यकताएँ भी हैं।

असंतोष राजनीति में कैसे बदलता है?

महँगा आवास, असुरक्षित रोजगार या सेवाओं का कमजोर होना व्यक्ति की निजी समस्या लग सकती है। जब यही अनुभव बड़े समूह साझा करें और संगठन उसे सार्वजनिक माँग में बदलें, तो आर्थिक चिंता राजनीतिक कार्रवाई बन सकती है। फिर भी साझा असंतोष से एक साझा समाधान अपने-आप नहीं निकलता। संगठनों, विचारों और संस्थाओं की भूमिका रहती है।

हर देश का इतिहास, सामाजिक विभाजन और शासन-ढाँचा अलग है। इसलिए विरोधों को केवल अव्यवस्था कहना अधूरा है, पर सभी को एक ही आर्थिक सिद्धांत से समझाना भी अतिसरलीकरण होगा। उत्तर में संरचनात्मक दबाव और स्थानीय कारण दोनों

दिखने चाहिए।

इससे जुड़ा लेख: प्रतिरोध की पहली कतार: लोकतंत्र में छात्र-आंदोलनों की भूमिका

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

'द ग्रेट ट्रांसफॉर्मेशन' के लेखक कौन हैं?

(a) कार्ल मार्क्स

(b) कार्ल पोलान्यी

(c) जॉन मेनार्ड कीन्स

(d) फ्रेडरिक हायेक

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) कार्ल पोलान्यी

स्रोत-लेख इसी पुस्तक के माध्यम से समाज और बाजार के संबंध पर विचार करता है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

विरोध प्रदर्शनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानने की सीमाएँ क्या हैं? आर्थिक असुरक्षा और स्थानीय राजनीतिक संदर्भ को साथ रखकर उत्तर दीजिए। (250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: निजी कठिनाई से सामूहिक माँग बनने की प्रक्रिया बताएं।

मुख्य भाग में: सेवाएँ/आवास/रोजगार की असुरक्षा और संगठन की भूमिका समझाएं; देशवार विविधता रखें; शांतिपूर्ण सहभागिता और संस्थागत समाधान सुझाएं।

निष्कर्ष में: संरचनात्मक दबाव और स्थानीय कारण - दोनों को साथ देखना ही संतुलित विश्लेषण है।

स्रोत

1. Indian Express, 7 नवंबर 2026: Polanyi, global unrest and structural failure